भारत सरकार

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3352

7 अगस्त, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

स्टैफिलोकोकी जीवाणु का प्रसार

†3352. डॉ. संबित पात्रा:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश में स्टैफिलोकोकी जीवाणु के फैलाव और प्रसार का आकलन करने हेतु कोई अध्ययन किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का पर्यावरणीय रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) की व्यापक निगरानी और जानकारी सुनिश्चित करने हेतु कोई नीति बनाने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) देश में पर्यावरणीय रोगाणुरोधी प्रतिरोध के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा लागू की गई अथवा लागू किए जाने हेतु प्रस्तावित कार्ययोजना का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): स्टैफिलोकोकस आमतौर पर पाया जाने वाला जीवाणु है जो स्वस्थ मनुष्यों की त्वचा पर हानिरहित रूप से रहता है। ज्यादातर समय स्टैफिलोकोकस कोई नुकसान नहीं पहुंचाता है, लेकिन यह कभी-कभी संक्रमण का कारण बन सकता है। यह विशेष रूप से स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में, उच्च जोखिम वाले रोगियों में जैसे आक्रामक उपकरणों पर या कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली के साथ गंभीर और यहां तक कि घातक संक्रमण भी पैदा कर सकता है। कई स्टैफिलोकोकस जीवाणु संक्रमण का इलाज किया जा सकता है और पारंपरिक एंटीबायोटिक दवाओं के साथ ठीक किया जा सकता है। स्टैफिलोकोकस के कुछ उपभेद एंटीबायोटिक-प्रतिरोधी हैं और उनका नए एंटीबायोटिक दवाओं के साथ इलाज करने की आवश्यकता है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने सूचित किया है कि उसने देश के 20 टर्शियरी केयर अस्पतालों में अपने रोगाणुरोधी प्रतिरोध निगरानी और अनुसंधान नेटवर्क (एएमआरएसएन) के माध्यम से अस्पताल आधारित निगरानी की है। एएमआरएसएन नैदानिक नमूनों से प्राप्त *स्टैफिलोकोकस ऑरियस* आइसोलेट्स एकत्र और विश्लेषण करता है और रोगाणुरोधी प्रतिरोध रुझानों पर वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करता है। मुख्य निष्कर्ष इस प्रकार हैं:

- 2024 में, निगरानी नेटवर्क के तहत नैदानिक नमूनों से प्राप्त सभी जीवाणु आइसोलेट्स में स्टैफिलोकोकस प्रजातियों का हिस्सा 13.2% था।

- स्टैफिलोकोकस आइसोलेट्स का अनुपात 2017 में 18.7% से घटकर 2024 में 13.2% हो गया है। इसी तरह, स्टैफिलोकोकस ऑरियस आइसोलेट्स का अनुपात 2017 में 12.5% से घटकर 2024 में 8.65% हो गया।
- भाग लेने वाले अस्पतालों में चार साल की निगरानी के आधार पर, 228,126 भर्ती रोगियों में से 2,533 (1.1%) में स्टैफिलोकोकस ऑरियस संक्रमण की पहचान की गई थी। इनमें से 1,190 संक्रमण आईसीयू रोगियों में दर्ज हुए, जो सभी आईसीयू भर्ती के 1.6% (73,671 में से 1,190) के अनुरूप थे।

(ख) और (ग): राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केन्द्र (एनसीडीसी) ने सूचित किया है कि एएमआर नियंत्रण संबंधी राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत उसने नैदानिक संक्रमण पैदा करने वाले 9 प्राथमिकता वाले रोगजनकों में एएमआर की निगरानी के लिए प्रहरी निगरानी नेटवर्क स्थापित किया है, उनमें से एक *स्टैफिलोकोकस ऑरियस है, जो* अधिकांश स्टेफिलोकोकल संक्रमणों के लिए जिम्मेदार प्रजाति है।

सरकार ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) की रोकथाम के लिए रोगाणुरोधी प्रतिरोध पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपी-एएमआर) 2.0 (2025-2029) जारी की है। यह योजना 'वन हेल्थ' (One Health) दृष्टिकोण को अपनाती है तथा मानव, पशु, खाद्य और पर्यावरण क्षेत्रों में रोगाणुरोधी प्रतिरोध की निगरानी और रिपोर्टिंग को सुदृढ़ करने के लिए पर्यावरण एएमआर निगरानी को अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं में से अन्यतम के रूप में शामिल करती है।

*****